MINDTHEORY

समझें • संतुलित रहें • आगे बढ़ें



संक्षिप्त सारांश:

आंतरिक बातचीत बनाम गैर-शाब्दिक विचार



अलग-अलग दिमाग. अलग-अलग सोचने के तरीके. सभी सामान्य हैं.

1 विचारों का दायरा

हर किसी के भीतर लगातार एक आवाज नहीं होती।

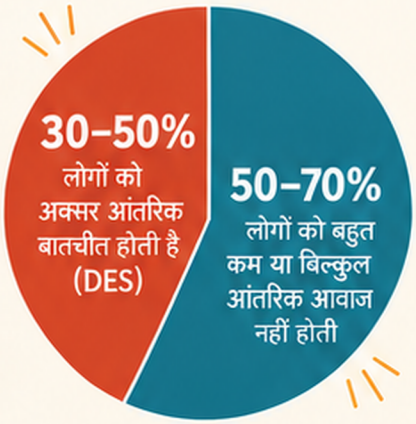

- अध्ययनों के अनुसार **30–50%** लोगों को नियमित रूप से आंतरिक बातचीत (इनर स्पीच) का अनुभव होता है (इन्हें बर्बलाइज़र कहा जाता है).
- **50–70%** लोगों को बहुत कम या बिल्कुक आंतरिक आवाज़ नहीं होती (इन्हें नॉन-बर्बलाइज़र कहा जाता है).
- दोनों तरह के लोग पूरी तरह सामान्य हैं और उनके सोचने के तरीके स्वस्थ हैं।

इसका कोई सही या गलत तरीका नहीं है — यह एक स्पेक्ट्रम है, न कि दो अलग-अलग श्रेणियां।

2 एनएंडोफेजिया और सोचने के तरीके

सोचने के कई तरीके होते हैं, सिर्फ शब्दों में नहीं।



अशाब्दिक सोच (एनएंडोफेजिया)

- भीतर कोई स्पष्ट आवाज नहीं या बहुत कम आवाज।
- विचार शब्दों की बजाय अवधारणाओं, भावनाओं या सीधे समझ के रूप में आते हैं।
- यह आम और पूरी तरह सामान्य है।



दृश्य सोच

- विचार मानसिक चित्रों, दृश्यों और स्थानिक (स्पैशल) सोच के रूप में आते हैं।
- रचनात्मक काम, तकनीकी सोच और समस्याओं को हल करने में आम।



संवेदी सोच

- विचार ध्वनियों, शारीरिक संवेदनाओं या भावनात्मक अनुभवों के रूप में आते हैं।
- याददाश्त, अंतर्ज्ञान और वास्तविक दुनिया को समझने में मदद करता है।

3 3-दिवसीय आत्म-खोज कार्य योजना

अपने खुद के सोचने के तरीके को समझने के लिए ये सरल और व्यावहारिक अभ्यास करें।

दिन 1 ध्यान दें और पहचानें

अपने विचारों को देखने के लिए जागरूक बनें।



- ☐ आज कुछ बार रूककर देखें कि आप कैसे सोचते हैं।
- ☐ क्या आपके मन में आवाज, चित्र, भावनाएँ या इनका मिश्रण आता है?
- ☐ कुछ भी बदलने की कोशिश न करें — सिर्फ ध्यान दें।

दिन 2 अलग-अलग कार्य आजमाएं

देखें कि क्या आपके लिए स्वाभाविक लगता है।



- ☐ एक सरल समस्या के बारे में सोचें (जैसे, यात्रा की योजना, खरीदारी की सूची बनाना)।
- ☐ ध्यान दें: क्या आप शब्दों, चित्रों या भावनाओं का उपयोग करते हैं?
- ☐ दोनों तरीकों को आज़माएं और देखें कौन-सा तरीका ज़्यादा सहज लगता है।

दिन 3 विचार करें और समझें

जो आपने देखा है, उसे समझें।



- ☐ आज आपने क्या नोटिस किया उस पर विचार करें।
- ☐ आपका प्रमुख सोचने का तरीका क्या है (केवल शब्द, केवल चित्र या मिश्रित)?
- ☐ अपने अनोखें दिमाग की सराहना करें — यह एक ताकत है, कोई सीमा नहीं।

मुख्य बात: चाहे आपके भीतर लगातार कोई आवाज बोलती हो या आप चित्रों, भावनाओं या संवेदनाओं में सोचते हों — दोनों ही सामान्य हैं। अपने सोचने के तरीके को समझना आपको बेहतर काम करने, सीखने और अपने जीवन को अपने तरीके से जीने में मदद कर सकता है।

© 2026 Mind Theory. सभी अधिकार सुरक्षित.